Vol 4 Issue 2 Aug 2014 ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest,Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.net

Golden Research Thoughts
ISSN 2231-5063
Impact Factor : 2.2052(UIF)
Volume-4 | Issue-2 | Aug-2014
Available online at www.aygrt.isrj.net

GRT

विश्व अर्थव्यवस्था का नया इंजन 'ब्रिक्स'

राजेश कुमार अग्रवाल , पद्मा सोमनाथे

गुरूकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

सारांश :- ब्रिक्स देशो के तेवर जी 7 की तरह के है। असली ताकत भारत–चीन, रूस की तिकड़ी के पास है इसकी बीच कोई सांस्कृतिक धागा नहीं है अलग–अलग महादेशो में बिखरे ये देश दुनिया की बड़ी ताकत बन गयी है विश्व की जनसंख्या में इसका हिस्सा 40% है विश्व की 30% जमीन व 45% आबादी और 24 अरब डालर का संयुक्त घरेलू उत्पाद।

प्रस्तावना :-

अभी–अभी ब्राजील में फुटबॉल की दो विश्व प्रतियोगिताएँ सम्पन्न हुई एक वह जो फुटबॉल से खेली गई जिसमे जीत जर्मनी की हुई, दूसरी वह जो राजनीति – आर्थिक रसूख के दम पर खेली गई और जिसे चीन जीत गया। ब्रिक्स के सदस्य देशो में भारत, ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका है, ब्रिक्स का दूसरा अर्थ ईट होता है। इसका अर्थ उन देशो से है जिसके बारे में यह सकंल्पना की गई कि वे दुनिया के आर्थिक विकास की बुनियाद की ईट बनेगी।

यह परिकल्पना दरअसल गोल्डमैन सैक असेट मैनेजमेंट के चेयरमैन जिम ओंनील ने 2001 में एक शोधपत्र में किया 'बिल्डिंग बैटर ग्लोबल इकोनॉमिक ब्रिक्स' अर्थात् वैश्विक अर्थव्यवस्था की बेहतर 'ब्रिक्स' का निर्माण। ब्रिक्स अर्थात् ईट लेकिन नील ने यहॉ ब्राजील रूस, भारत और चीन के नामो के पहले अक्षरो का इस्तेमाल कर एक वैकल्पिक विश्व वित्तीय व्यवस्था का विचार रखा।

	B ckthy	**R** :l	**I** Hkkjr	**C** phu	**S** n- vÝhdk
tul[;k ¼djkM e½	20-10	14-34	121-19	135-40	5-17
lk{kjrk nj ¼çfr'kr e½	93-50	99-60	74-04	92-20	84-40
vklr vk;	74-6	69-70	64-70	72-70	57-20
thMhih ¼lkekU;½	2695-90	2021-90	1824-80	8227-00	384-30
thMhih ¼çfr 0;fDr½	13623	17708	3829	9161	11375
miHkkDrk ?kjy [kp *	1266-30	671-60	737-90	1835-30	173-80
ljdkjh 0;; *	846-60	414-00	281-00	2031-00	95-30
fu;kr *	256-00	542-50	309-10	2011-00	101-20
vk;kr *	238-80	358-10	500-30	1780-00	106-80
ekuo fodkl lpdkd	0-730	0-788	0-554	0-699	0-629
				* ¼vjc Mkyj e½	

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि अलग–अलग महादेशो में बिखरे ये देश दुनिया की बड़ी ताकत बन जाते है विश्व जनसंख्या में इनका हिस्सा 40% है और 24 अरब डॉलर का संयुक्त घरेलू उत्पाद। जल्द ही इन देशो की विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में एक तिहाई भागीदारी हो जाएगी।

ब्रिक्स देशों के तेवर जी – 7 की तरह जिसकी प्रमुख बातें है :–

1)ब्रिक्स का आईडिया सबसे पहले इनवेस्ट बैंक गोल्डमैन सैफ के चेयरमैन जिम ओनील ने 2001 में की थी।
2)दिसम्बर 2010 से पहले तक इस समूह में दक्षिण अफ्रीका शामिल नहीं हुआ था तब इसे ब्रिक (Brick) देशो के नाम से जानते थे। साउथ अफ्रीका के शामिल होने के बाद 'एस' जोड़ा गया तो यह (Bricks) बन गया।
3)इन देशो की सालाना बैठक किसी सदस्य देश की मेजबानी में होती है। 2012 की शिखर बैठक भारत में हुई थी।
4)दुनिया के कुल सकल घरेलू उत्पद (GDP) में इन पाँचो देशो की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत के करीब है।
5)ब्रिक्स देशो में दुनिया भर की करीब 43% आबादी रहती है।
6)ब्रिक्स देशो के पास कुल मिलाकर लगभग 44 खरब डालर का विदेशी मुद्रा भंडार है।
7)इन देशो के बीच आपसी व्यापार लगभग 300 अरब डॉलर तक पहुच गया है।
2020 तक ब्रिक्स देशों की स्थिति – G–7 से दोगुना मध्यवर्ग

ब्रिक्स देशो की आबादी विशेषकर चीन व भारत के युवा चरित्र के कारण यह विश्व अर्थ व्यवस्था का नया इंजन बनाने की काबिलियत देती है।

2050 तक चीन व भारत विश्व अर्थव्यवस्था में क्रमश : पहले और तीसरे तथा ब्राजील व रूस पांचवे व छठे स्थान पर होगें।

2000 से 2008 के बीच विश्व उत्पादन में वृद्धि का 30% योगदान इन देशो का रहा। इसकी वजह इन देशो का विशाल मध्यवर्ग है। 2020 तक इन देशो का मध्यवर्ग प्रमुख औद्योगिक देशो के समूह जी–7 की तुलना में दोगुना हो जायेगा।

वैश्विक शोध व विकास की दिशा में भी ब्रिक्स देशो का योगदान 17% से बढ़कर 24% हो गया है।

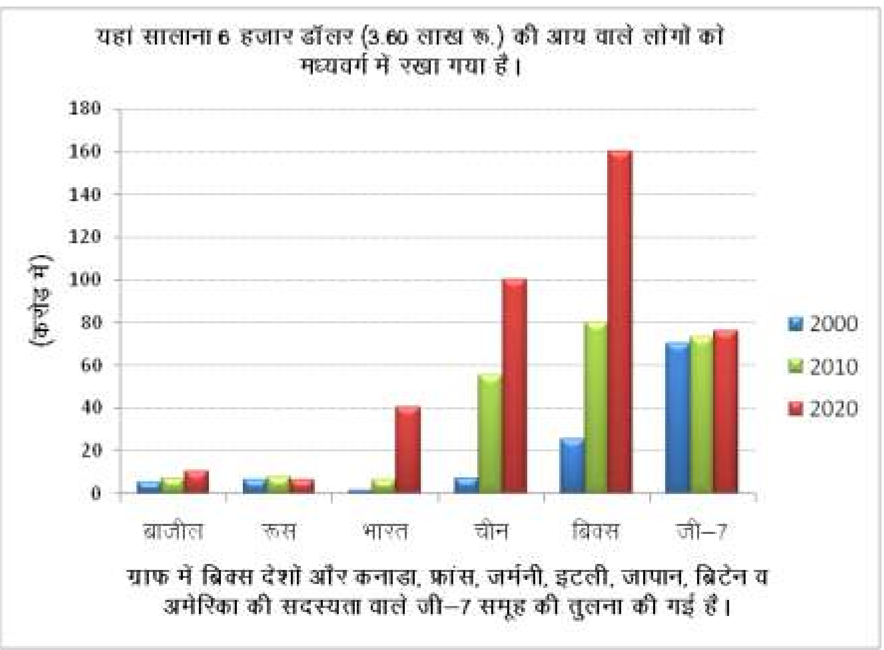

(स्रोत : गोल्डमैन सैफ, ग्लोबल शेरपा)

ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन की यात्रा

(I) ***पहला शिखर सम्मेलन*** :– 16 जून 2009 को येकाटेरिन वर्ग (रूस) में हुआ जिसमें आर्थिक मुद्दो पर परस्पर सहयोग व सामंजस्यता बनानें व सदस्य देशों में लोकतांत्रिक व आर्थिक सुधार की दिशा में प्रयासरत् रहने पर बल दिया।

इस सम्मेलन की मुख्य बात यह थी कि विश्व के आर्थिक, राजनीतिक व सुरक्षा संबंधी मामले लोकतांत्रिक व बहुपक्षीय हो, तथा अमेरिका व पश्चिमी देशो के एकाधिकार से परे हो इस पर जोर दिया गया।

(II) ***दूसरा शिखर सम्मेलन*** :– 16 अप्रैल 2010 को ब्रासीलिया (ब्राजील की राजधानी) में हुआ।

इसमें भारत के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, रूस के राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव चीन के राष्ट्रपति हू जिन्ताओ तथा ब्राजील के राष्ट्रपति लुई इनासिओ लूला डिसिल्वा ने भाग लिया, जिसमें 33 बिंदुओ पर घोषणा पत्र स्वीकार किया गया जिसमें यह भी मांग की गई कि मुद्रा कोष व विश्व बैंक जैसी अंर्तराष्ट्रीय संस्थाओ में सुधार किया जाये और 2010 तक यह सुधार अमल हो जाये। सदस्य देशों द्वारा व्यापार व निवेश को बढ़ाने हेतु स्थानीय मुद्राओ को परस्पर व्यापार का आधार बनाने पर जोर दिया गया,

आंतकवाद का निवारण, गरीबी निवारण, खाद्य सुरक्षा, विश्व की सभ्यता व संस्कृति द्वारा पारस्परिक सहयोग में वृद्धि जलवायु परिवर्तन जैसे गैर आर्थिक मुद्दो पर भी विचार – विमर्श किया गया।

G–20 समूह को G–8 की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करने की मांग की गई।

(III) ***तीसरा शिखर सम्मेलन :–*** 14 अप्रैल 2011 को चीन के सान्या शहर में संपन्न हुआ, दक्षिण अफ्रीका नें पहली बार अपनी भागीदारी दी, जिसमें 32 बिंदूओ का सान्या घोषणा पत्र जारी किया गया।

इस सम्मेलन में कार्यवाही योजना (Action Plan) को स्वीकृति मिली जिसमें पांचों सदस्य देशों के सामान्य हितो व वैश्विक स्तर पर मजबूती, मानवता का विकास व न्यायपूर्ण अर्थव्यवस्था की स्थापना पर बल दिया गया। इसमें खाद्य सुरक्षा, बैंकिंग सहयोग, व्यापारिक सहयोग, शोध को प्राथमिकता दी गई।

(IV) ***चतुर्थ सम्मेलन :–*** 29 मार्च 2012 को नई दिल्ली (भारत) में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की मेजबानी में संपन्न हुआ।

जिसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्थायित्व, सुरक्षा व संपन्नता में ब्रिक्स की साझेदारी था।

इस सम्मेलन में वैश्विक वित्तीय प्रबंधन व सहयोग के द्वारा विकास को पटरी पर लाने की बात कही गई। इसकी मुख्य उपलब्धि यह रही कि इन देशो ने स्थानीय मुद्रा के माध्यम से क्रेडिट सुविधा उपलब्ध कराने हेतु एक समझौते पर हस्ताक्षर किये जिसमें ब्रिक्स देश डालर के बिना आपस में स्थानीय मुद्रा के माध्यम से व्यापार कर सकेंगें।

वित्तीय स्थिरता व सदस्य देशों की सहायता हेतु विकास बैंक के गठन का प्रस्ताव भी इसी सम्मेलन की देन थी तथा आपातकालीन ऋण संकट के समय आपसी मदद हेतु 100 अरब डॉलर के आकस्मिक कोष के गठन की सहमति हुई जिसमें सर्वाधिक योगदान चीन का होगा।

(V) ***पाँचवा सम्मेलन :–*** 26–27 मार्च 2013 को दक्षिण अफ्रीका (डरबन) में हुआ। जिसमें भारत के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, ब्राजील के राष्ट्रपति डिल्मा रॉसेफ, रूसी राष्ट्रपति दलादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शीजिनपिंग व मेजबान राष्ट्रपति जेकब जुमा शामिल थे।

जिसमें विश्व की आज की अनिश्चितताओं, अशांती, समुद्री डकैती, आंतकवाद, साइबर स्पेस जैसे खतरों व उनसे सुरक्षा हेतु सभी के सार्थक योगदान की अनिर्वायता पर चर्चा हुई तथा विकासशील देशों में दीर्घावधि आर्थिक सहायता व निवेश की कमी के कारण बुनियादी सुविधाओं के विकास की चुनौतियों से लड़ने के लिये ब्रिक्स विकास बैंक की स्थापना का महत्व स्वीकारा गया। सभी रूपों में आंतकवाद की कड़ी भर्त्सना भी इस सम्मेलन में की गई।

(VI) ***छठा शिखर सम्मेलन :–*** 2014 में ब्राजील में हुआ जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाग लिया, इस सम्मेलन में 100 अरब डॉलर के विकास बैंक और विदेशी मुद्रा भंडार बनानें की घोषणा अंततः इस सम्मेलन में हुई।

बैंक मुख्यालय चीन के शंघई शहर में होगा और पहले पांच साल भारत के नेतृत्व में यह बैंक चलेगी। ब्रिक्स का बैंक, विश्व बैंक जैसा होगा जिसे छोटा अंर्तराष्ट्रीय मुद्रा कोष अर्थात Mini IMF कहा जा रहा है।

इस बैंक का उद्देश्य कहता है कि ब्रिक्स देशो में तथा अपनी आर्थिक शक्ति सजोते हुये दूसरे कमजोर देशो में ढ़ाचागत विकास तथा स्थाई विकास के उपक्रमों की मदद करेगा।

विकास बैंक के साथ–साथ ही पांचो ब्रिक्स राष्ट्रो ने मिल कर 100 बिलयन डॉलर का दूसरा फंड भी बनाया है जिसे कंटीजेंट रिजर्व अरेंजमेंट (CRA) कहा गया है, इसमें सबसे बड़ा हिस्सा चीन का है।

उम्मीद है कि नया विकास बैंक IMF वर्तमान विश्व बैंक से पूरी तरह अलग होगा और उसका उद्देश्य विकासशील देशो को घरेलू रोजगार प्रदान करने हेतु संसाधन प्रदान करेगा।

निष्कर्ष :–

ब्रिक्स विश्व की 5 उभरती हुई आर्थिक शक्तियों का एक ऐसा समूह है जो एक–दूसरे का प्रतियोगी नहीं वरन् पूरक है।

ये सभी देश जी–20 के सदस्य देश है तथा विकासशील देशो की आर्थिक मुद्दो के साथ–साथ आर्थिक समस्यायें जैसे सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, आंतकवाद आदि पर भी विचार करना चाहते है।

Brics एक नई आर्थिक शक्ति है जो आपसी विवाद को परे रखते हुये बड़ी अर्थव्यवस्था के एक ऐसे समूह के रूप में उभरा है जिसका भविष्य में वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रबंध, संचालन व आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

इन सभी देशों की विकास क्षमता इतनी अधिक है कि इनका सम्मिलित समूह 2050 तक विश्व की वर्तमान अर्थव्यवस्थाओं का निश्चित तौर पर पीछे छोड़ देगी।

सन्दर्भ ग्रंथ

दैनिक समाचार पत्र – हरिभूमि, पत्रिका, दैनिक भास्कर दिनांक 15/03/2014 से 31/03/2014 तक
गूगल सर्च – ब्रिक्स सम्मेलन

समाचार चैनल – इंडिया न्यूज, APN न्यूज
प्रतियोगिता दपर्ण – वार्षिकी 2013
प्रतियोगिता दपर्ण – जनवरी से अप्रैल सन् 2014

राजेश कुमार अग्रवाल
गुरूकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

पद्मा सोमनाथे
गुरूकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.net